सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-2 • 10 FEBRUARY TO 16 FEBRUARY 2021 • VOLUME- 28 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

STUDY, WORK & SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &

*Pay money after the visa

IELTS | STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA

U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. • HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.

*T&C apply

राम मंदिर निर्माण के लिए करीब 1000 करोड़ रुपए बैंक अकाउंट में हुए जमा

■ अयोध्या/ब्यूरो

अयोध्या एक तरफ जहां अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण की शुरुआत हो रही है तो वहीं दूसरी तरफ उसके निर्माण के लिए धन संग्रह करने का कार्य भी पूरे जोर-शोर से चल रहा है।

मौजूदा समय में 150000 टोलियां धन संग्रह का कार्य कर रही हैं. टोलियों के जरिए जो भी धन संग्रह किया जा रहा है उसे 37000 व्यक्ति बैंक में डिपॉजिट कर रहे हैं।

धन संग्रह की सही अनुमान लगा पाना है मुश्किल

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय की मानें तो सही-सही अनुमान लगाना मुश्किल है कि अब तक राम मंदिर निर्माण के लिए कितना धन संग्रह हो चुका है। लेकिन, लगभग 1000 करोड़ रुपए बैंक अकाउंट में आ चुके हैं। जबकि, बहुत से दानदाताओं की तरफ से दान की गई धनराशि अभी तक बैंक अकाउंट में नहीं पहुंची है क्योंकि इसमें समय लग रहा है।

टाटा कंसल्टेंसी से हो चुका है समझौता

वहीं, अगर बात करें श्री राम जन्मभूमि मंदिर की तो जिस भूमि में मंदिर का निर्माण होना है वहां पर लगभग 5 मीटर खुदाई हो चुकी है. साल 1992 में अशोक सिंघल के जरिए आर्किटेक्ट सोमपुरा के साथ एक अनुबंध हुआ था जिसमें अब कुछ सप्लीमेंट्री क्लॉज भी जोड़े गए हैं। राम मंदिर को छोड़कर बाकी हिस्से में जो कंस्ट्रक्शन का काम होना है उसके लिए टाटा कंसल्टेंसी से समझौता हो चुका है।

नोएडा की एक कंपनी से हुआ अनुबंध

राम मंदिर के निर्माण को लेकर वास्तु शास्त्र के हिसाब से कौन सा निर्माण कहां हो और उसकी डिजाइन कैसी हो इसके लिए नोएडा की एक कंपनी से अनुबंध भी हो चुका है। एक बार मंदिर की बुनियाद तैयार हो गई तो आगे निर्माण की सारी तैयारियां पूरी हो गई हैं और उस पर काम भी शुरू हो गया है।

मंदिर निर्माण पर है फोकस

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का कहना है कि राम मंदिर मिर्माण के लिए कितना धन कलेक्शन हो चुका इसका सही उत्तर संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि एक अनुमान है कि 1000 करोड़ रुपए बैंक अकाउंट में आ चुके होंगे. हम मंदिर निर्माण पर फोकस कर रहे हैं।

लाल किला हिंसा: दीप सिद्धू के खिलाफ टेक्निकल एविडेंस जुटा रही है क्राइम ब्रांच

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम दीप सिद्धू से लगातार पूछताछ कर रही है। अब क्राइम ब्रांच दीप सिद्धु के खिलाफ टेक्निकल एविडेंस जुटा रही है। जैसे उसके द्वारा बनाए गए वीडियो इसके अलावा उसकी मोबाइल की लोकेशन को भी खंगाला जा रहा है. पुलिस सूत्रों की माने तो जांच में सामने आया है कि 26 जनवरी और 27 जनवरी तक दीप 2 मोबाइल नम्बर का इस्तेमाल कर रहा था। खासतौर पर 26 जनवरी की CDR (कॉल डिटेल रिकॉर्ड) जिसके जरिये दिल्ली पुलिस हिंसा में उसकी मौजुदगी साबित करेगी। सूत्रों की माने तो 26 जनवरी के दिन दीप सिद्धू 93213***** * नम्बर का इस्तेमाल कर रहा था. इस मोबाइल नम्बर की लोकेशन 3 बजकर 10 मिनट पर राज घाट से लाल किले के बीच की दिखाई दे रही है। इस दौरान लाल किले में सिद्धू मौजूद था. 26 जनवरी को लाल किले में हुई हिंसा के बाद दीप सिद्धू लाल किले से सीधा सिंघु बॉर्डर पहुंचा. 4 बजकर 23 मिनट पर उसकी लोकेशन कुंडली (हरियाणा) मिली। सिंघु बॉर्डर कुंडली इलाके में ही आता है। दीप सिद्धू जब सिंघु बॉर्डर पहुंचा सब वहां पर दो गुट बन चुके थे एक

उसके खिलाफ था और एक उसके साथ था इसके बाद दीप सिद्धू वहां से निकल गया। 26 जनवरी की रात को करीब 10 बजे दीप की लोकेशन हरियाणा के शाहबाद-कुरुक्षेत्र इलाके में मिली और उसके बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। सूत्रों की माने तो इसके बाद 27 जनवरी को दीप सिद्धू का मोबाइल नंम्बर 98700**** एक्टिव हुआ। इस मोबाइल नंबर का इस्तेमाल दीप सिद्धू ने नेटफ्लिक्स रिचार्ज करने के लिए किया। उसने 799 का नेटफ्लिक्स रिचार्ज करवाया। इसी से पुलिस को उसके बारे पहला क्लू मिला। पुलिस के सूत्रों की मानें तो दीप सिद्धू लगातार ट्रैवल करता रहा। 27 जनवरी को जो दूसरा मोबाइल नंबर दीप सिद्धू ने नेटफ्लिक्स रिचार्ज करवाने के लिए इस्तेमाल किया था उसकी लोकेशन पंजाब के पटियाला में मिली और इसके बाद यह दूसरा फोन भी बंद हो गया।सूत्रों के मुताबिक अब पुलिस दीप सिद्धू का बैंक अकाउंट भी खंगाल रही है और यह जानकारी जुटा रही है क्या कहीं से दीप सिद्धू के अकाउंट में पैसे आए थे या नहीं. और अगर आए थे तो कहां से आए थे। क्योंकि शुरुआती जांच में ही यह साफ हो गया था कि लाल किले में हुई हिंसा एक सोची समझी साजिश थी। दिल्ली पुलिस को दीप सिद्धू की उस महिला मित्र का कैलिफ़ोर्निया वाला वह नंबर भी मिल गया है जिससे दीप सिद्धू के वीडियो फेसबुक अपलोड किए जा रहे थे. ये है वो नम्बर +15306365** इसी नम्बर से अमेरिका से दीप सिद्धू के फेसबुक पर अपलोड किया जा रहे थे. टेलीग्राम के जरिए दीप सिद्धू अलग-अलग लोगों से मोबाइल लेकर अमेरिका के इसी नम्बर पर रीना राय को भेजता था। रीना राय करती थी उसे फेसबुक पर अपलोड।

किसान आंदोलन पर बयानबाजी करने वाले कनाडा को भारत देगा वैक्सीन की संजीवनी

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

किसान आंदोलन को समर्थन देने के मामले में विरोध झेल रहे कनाडा के लिए प्रधानमंत्री मोदी मददगार बनकर सामने आए हैं। कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में कनाडा ने भारत से मदद मांगी है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा कि भारत कनाडा को वैक्सीन भेजेगा। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो के साथ पीएम मोदी ने बात करके हर संभव सहायता देने का भी भरोसा दिया है। गौरतलब है कि कृषि कानूनों के खिलाफ भारत में चल रहे प्रदर्शन को कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो द्वारा समर्थन दिया गया। जिसके बाद भारत ने कनाडा के राजदूत को तलब कर दोनों देशों के संबंधों में दरारा आने की चेतावनी दी थी।

स्वच्छ वातावरण के लिए क्या कर रहा है जालंधर फोकल प्वाईंट स्थित पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

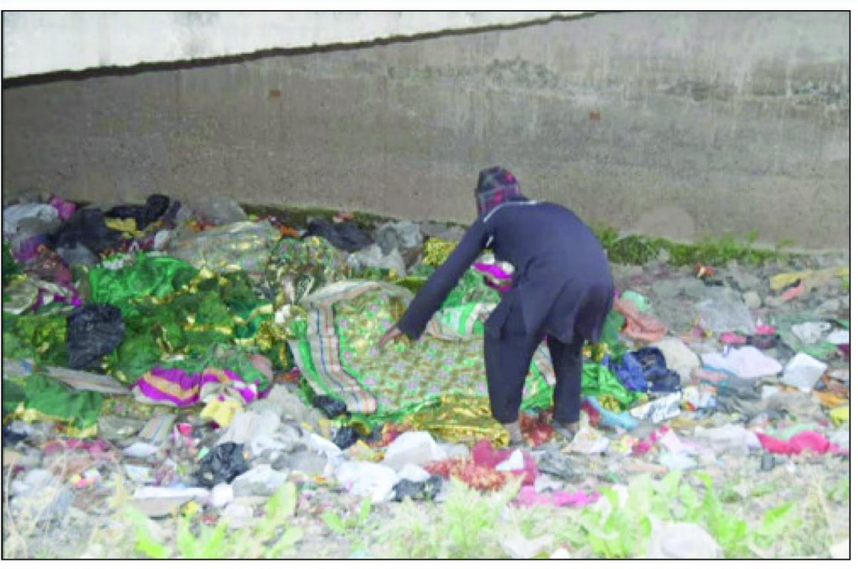

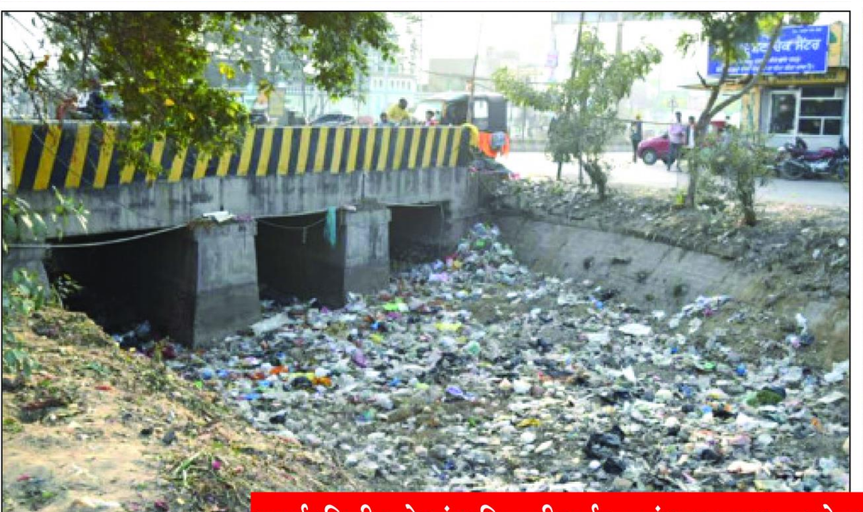

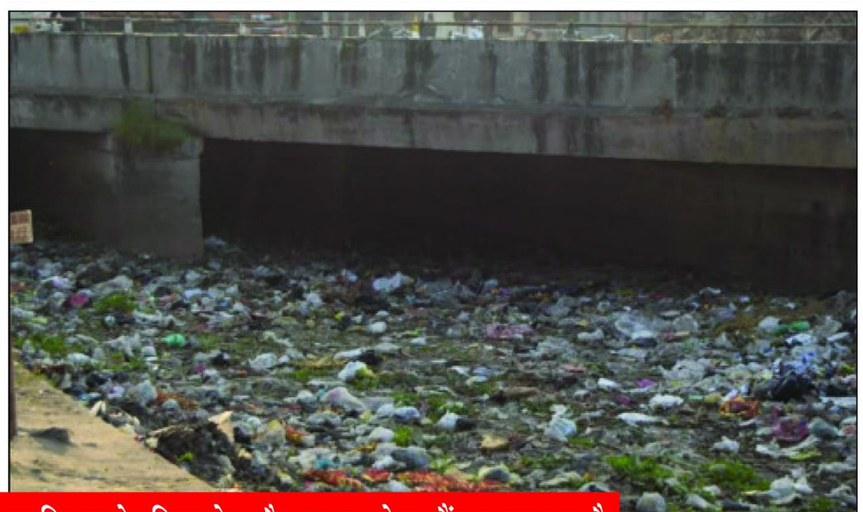

स्मार्ट सिटी को मुंह चिढ़ाती हुई जालंधर-कपूरथला रोड़ पर बस्ती बावा खेल की नहर जहां पर लोगों और नजदीक लगे उद्योगों द्वारा प्लाास्टिक के लिफाफे और अपना वेस्ट फैंका जा रहा है

■ जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

पंजाब प्रदूषण नियत्रण बोर्ड जालंधर द्वारा पिछले काफी समय से लोगों को स्वच्छ वातावरण देने के लिए काफी अभियान चलाये गए थे जिसमें किसानों द्वारा पराली जलाने पर उनकी जमीनों के रेवेन्यू रिकार्ड में रेड एंट्री की जाएगी इसके लिए सरकार द्वारा सख्त नियम बनाये गए थे और सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश भी दिए गए थे। इस नियम के तहत जिसकी जमीन के रेवेन्यू रिकार्ड में रेड एंट्री हो जाती थी फिर उसे न तो बेचा जा सकता था और न ही उस पर लोन लिया जा सकता था। पंजाब प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड (पीपीसीबी) की तरफ से प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट सम्बन्धित एक वर्कशाप फोकल प्वाईंट स्थित अपने दफ्तर में करवाई गई थी इस वर्कशाप में प्लास्टिक के लिफाफों के बुरे प्रभावों के बारे में व्यापक तौर पर विचार-विमर्श भी किया गया था लेकिन असल में शहरी इलाकों में पड़ते उद्योग जोकि अपना सारा कारखाने का वेस्ट बिना सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और ऐफलूएंट ट्रीटमेंट प्लांट लगाए जाने की वजह से सीधा शहर की नालियों या शहर में पड़ती नहरों में फैंक रहे है इसका एक ताजा उदाहरण आपको हर समय कपूरथला रोड पर पड़ती बस्ती बावा खेल की नहर में देखने को मिलेगा जहाँ पर रिहयाशी व उद्योगों और खाने-पीने के रेस्टोरेंट वालों ने नहर के अंदर अपना सारा वेस्ट और प्लास्टिक के लिफाफे फैंके हुए है और नहर में अपने उद्योगों के अवैध सीवरेज कनेक्शन किये हुए हैं जिससे वहां रह रहे कई लोगों को गंभीर बिमारियों का सामना करना पड़ रहा है लोगों द्वारा बताया गया की कई बार नगर-निगम को भी इस गंभीर मुद्दे बारे लिख के दिया गया है की कुछ ऐसे प्रबंध किये जाये ताकि लोग बस्ती बावा खेल जो की स्मार्ट सिटी के अधीन भी पड़ता है उसे स्वच्छ रखा जाए लेकिन न तो नगर-निगम के अधिकारी न ही जालंधर फोकल प्वाईंट स्थित पंजाब प्रदूषण नियत्रण बोर्ड के अधिकारियों द्वारा इस पर कोई कार्यवाही की गई है जिससे की लोगों को स्वच्छ वातावरण की सुविधा मिल सके और उन्हें भी खुले आसमान में सांस लेने में कोई दिक्कत न आये। जो भी वेस्ट फैक्ट्री या रेस्टोरेंट से निकलती है उसे अच्छे से सीवेरज ट्रीटमेंट प्लांट लगा के ट्रीट किया जाए और खाद्य सामग्री आधारित प्लास्टिक लिफाफों को बढ़ावा दिया जाए ताकि लोगों को गंभीर बीमारियों से छुटकारा मिल सके। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर-निगम द्वारा जो लोग वातावरण को दूषित कर रहे है उन पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा और जो कमेटी नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा विशेष तौर पर पर्यावरण के साथ संबंधित विभिन्न मुद्दों को देखने के लिए साल 2019 में गठित की गई थी उन सभी लोगों और अधिकारियों के ऊपर कार्यवाही क्यों नहीं करती जो लोग पर्यावरण को खराब कर रहे हैं?

दखल

बच्चों में पनप रही आक्रामकता

अभिभावक और बच्चों के बीच स्वस्थ संवाद न होने से बच्चों के जीवन से सामाजिक दुनिया दूर हो गई है। जहां उपभोक्तावादी समाज में हर वस्तु एक उत्पाद बन रही है, ऐसी स्थिति में बच्चे भी अब इससे अछूते नहीं हैं। बाजार की संस्कृति के सामने परिवार व स्कूल जैसी संस्थाएं कमजोर पड़ रही हैं। संयम, अनुशासन, परंपराएं, मूल्य, सहानुभूति और प्रेम जैसे शब्द अब बच्चों से दूर होते जा रहे हैं।

कुछ समय पहले मुंबई के एक किशोर ने मोबाइल न देने के चलते आत्महत्या कर ली थी। पहले भी ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। गौरतलब है कि तमाम बहस-मुबाहिसों के बावजूद हम ऐसी घटनाओं पर अंकुश नहीं लगा पा रहे हैं। वह इसलिए कि बच्चे आज हमारी प्राथमिकता में आखिरी पायदान पर हैं। देखने में आ रहा है कि बच्चों की एक बिल्कुल अलग दुनिया बस गई है। सीखने की कच्ची उम्र में वे रातों-रात युवा बन रहे हैं। सोशल मीडिया की नई आभासी दुनिया ने उनके सामने नया समूह लाकर खड़ा कर दिया है। दादा-दादी के परिवार में न रहने से माता-पिता बच्चों की दुनिया में खिसक कर दूसरे पायदान पर आ गए हैं। यह बात इसलिए सच है कि नई उदार वैश्विक दुनिया के सामाजिक और आर्थिक दबाव के कारण मां-बाप और बच्चों के बीच की दूरी बढ़ती हुई साफ नजर आ रही है। कड़वा सच तो यह है कि इस समय बच्चों का बचपन पूरी तरह उपभोक्तावाद की गिरफ्त में है। देशी और विदेशी शोधों से जो आंकड़े सामने आ रहे हैं, उनसे साफ है कि वैश्विक दौर की भागती जिंदगी ने बच्चों की आंखों से नींद ही छीन ली है। बच्चे अब ज्यादा निर्मम और एकल होते जा रहे हैं। यहां तक कि बच्चों का परिवार के अंदरूनी संबंधों का ढांचा भी दरक रहा है।

पिछले दिनों 'इंडियन पीड्रियाट्रिक्स' जर्नल में छपी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के 42 फीसद बच्चे अनिद्रा के शिकार हैं और इस वजह से नींद में डर जाना, चलना, सोते-सोते बात करना, रोना और डरावने सपने देखना जैसी समस्याएं बच्चों को पेरशान कर रही हैं। अमेरिका के फिलाडेल्फिया के सेंट जोसेफ विश्वविद्यालय द्वारा भारत के लगभग चार हजार बच्चों पर अध्ययन के बाद जो निष्कर्ष निकाले गए, उनसे साफ हुआ कि भारतीय बच्चे यूरोपीय बच्चों की तुलना में कम नींद ले पा रहे हैं। परिणामतः बच्चों का स्वाभाविक विकास नहीं हो पा रहा है उनके खेलने और खाने की उम्र में ही उनका बचपन विसंगतियों से भर रहा है। बच्चों का घर से भाग जाना, आक्रामक होना, एकांत में रहना, मोबाइल की दुनिया में उलझे रहना, मोबाइल गेम की प्रतिक्रिया के फलस्वरूप आत्मघात की ओर अग्रसर होना-जैसी सामाजिक विसंगतियों की पृष्ठभूमि में कहीं न कहीं पारिवारिक एवं स्कूली पृष्ठभूमि को टटोलना समय की मांग है।

बच्चों के बदलते व्यवहार के लिए केवल उन्हें दोषी नहीं ठहराया जा सकता। कहीं न कहीं इसके लिए बच्चों के बचपन को निश्चित दिशा देने वाली परिवार व स्कूल जैसी संस्थाओं की भूमिका पर विचार करना होगा। अवलोकन बताते हैं कि शहरों और महानगरों में भौतिक जीवन की बदलती जरूरतों के कारण माता-पिता और बच्चों के बीच होने वाले गहरे संवाद का ढांचा चरमरा रहा है। निःसंदेह संयुक्त परिवार अब टूट रहे हैं। अगर कहीं दादा-दादी का परिवारों में दखल है भी तो दूसरी पीढ़ी के बच्चों पर से नियंत्रण की डोर उनके हाथों से खिसक रही है। आज एकल परिवार समाज के आदर्श बन रहे हैं। स्कूल भी किताबी ज्ञान तक सीमित होकर रह गए हैं। ऐसे में स्कूलों में बच्चों का शैक्षिक समाजीकरण और परिवारों में अच्छी परवरिश एक चुनौती बन रहा है। साथ ही बच्चों के प्रति अनुराग और स्नेह की प्रवृत्ति भी शून्य हो चली है।

एसोचेम के सोशल डवलपमेंट फाउंडेशन ने देश के तीन हजार कामकाजी माता-पिता पर एक अध्ययन कराया था। इसमें पता चला कि कामकाजी माता-पिता के पास बच्चों के साथ समय गुजारने के लिए केवल 20 मिनट का समय रह गया है। माता-पिता इससे ज्यादा वक्त बच्चों को दे ही नहीं पाते। निश्चित ही बच्चों के विकास के लिए यह कोई अच्छी खबर नहीं है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि कामकाजी माता-पिता के पास समय का अभाव होने से अब वे स्कूल के बाद बच्चों को होमवर्क कराने में भी मदद नहीं करते। सप्ताहांत में भी वे बच्चों के साथ एक वक्त का खाना नहीं खा पाते। इसका सीधा-सा अर्थ यह हुआ कि बच्चों का बचपन अब धीरे-धीरे सूना हो रहा है। अभिभावकों और बच्चों के बीच स्वस्थ संवाद न होने से बच्चों के जीवन से सामाजिक दुनिया दूर हो गई है। जहां उपभोक्तावादी समाज में हर वस्तु एक उत्पाद बन रही है, ऐसी स्थिति में बच्चे भी अब इससे अछूते नहीं हैं। बाजार की संस्कृति के सामने परिवार व स्कूल जैसी संस्थाएं भी कमजोर पड़ रही हैं। परिणामस्वरूप जुड़ाव की भावना, संयम, अनुशासन, परंपराएं, मूल्य, सहानुभूति व प्रेम जैसे शब्द बच्चों के स्वस्थ समाजीकरण की पृष्ठभूमि से गायब हो रहे हैं।

आज इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, कम्प्यूटर, इंटरनेट, सोशल मीडिया, फिल्मों जैसे विभिन्न माध्यम स्कूलों और एकल परिवारों में सेंध लगा कर बच्चों के बीच पारिवारिक एवं स्कूली भूमिका का स्थानापन्न बन रहे हैं। सच्चाई यह है कि बच्चों के बचपन से माता-पिता और स्कूल के अनुपस्थित रहने का लाभ बहुराष्ट्रीय कंपनियां जमकर उठा रही हैं। यह बाजारवाद की विज्ञापन संस्कृति का असर है कि इन्हें अब बच्चे आने वाले समय के नए उपभोक्ता नजर आ रहे हैं। कहने का अर्थ यह है कि उदार दुनिया की गलाकाट होड़ के बीच के बाजार में एकल परिवारों के अकेलेपन से ग्रसित बाल मनोविज्ञान का लाभ उठा कर बच्चों के बीच इन कंपनियों को अपने उत्पाद खपत की अपार संभावनाएं नजर आ रही हैं। बाजार में तमाम देशी व विदेशी कंपनियां बच्चों को मुफ्त वस्तुओं का लालच देकर उनकी गुस्सैल उपभोग की भूमि को उपजाऊ बनाने का काम कर रही हैं। अवलोकन बताते हैं कि आज जितनी बुनियादी जरूरतें परिवारों की बन रही हैं उनमें से लगभग 90 फीसद बाल केंद्रित हैं।

यह कटु सच्चाई है कि एकल परिवारों के भी बच्चों से भावनात्मक रिश्ते समाप्त हो रहे हैं। माता-पिता को अपने कारोबार और भोगवादी पार्टियों से फुर्सत ही नहीं है। लिहाजा, बच्चे या तो घर की चारदीवारी में बंद होकर मोबाइल की दुनिया की ओर रुख कर रहे हैं। इस दुनिया की खराब बात यह है कि जब ये बच्चे वास्तविक जीवन की मुश्किलों का सामना करते हैं तब वे ऐसी परिस्थितियों से या तो पलायन करने लगते हैं या फिर तनाव और अवसाद के शिकार हो जाते हैं। हमारे सामने ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां बच्चों ने अपनी परीक्षाओं के साथ अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं, यहां तक कि मोबाइल गेम तक में नाकाम रहने पर या तो अपने साथी की हत्या कर डाली अथवा आत्महत्या कर ली। स्मरण रहे, परिवार में बच्चों को संरक्षण, वात्सल्य व स्नेह का भाव जहां उन्हें सामूहिक सोच व आपसी जुड़ाव वाला बनाता है, वहीं उन्हें सुरक्षा और संरक्षण भी प्रदान करता है। संचार माध्यमों ने बच्चों के कल्पनालोक और उनके यथार्थ में घालमेल करते हुए आक्रोश, अश्लीलता व हिंसा को केंद्र में लाकर रख दिया है।

आक्रामकता, गुस्सा और हिंसा जैसे नकारात्मक तत्व अब बच्चों के व्यक्तित्व के सामान्य अनुभव बन रहे हैं। स्कूल व घर की व्यवस्था में धीरे-धीरे आक्रोश अपनी पैठ बना रहा है। इस सच्चाई को न तो इस शिक्षा व्यवस्था के नीति-नियंता समझ रहे हैं, न ही अभिभावक। बच्चों के सृजनात्मक व्यक्तित्व के निर्माण के लिए शिक्षा, शिक्षक और अभिभावक बच्चों की अनिद्रा, आक्रामकता और हिंसात्मक व्यवहार को रोकने में पूर्ण सहायक हैं। बस आवश्यकता इस बात की है कि बच्चों के साथ संवाद का सिलसिला बना रहे।

विचार

हिमालयी त्रासदी से उठे सवाल

उत्तराखंड में ऋषिगंगा के प्रोजेक्ट को आपदा ने निगल लिया। सवाल उठ रहे हैं कि अगर ऋषिगंगा पर बनने जा रहे तीन अन्य प्रोजेक्ट पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक न लगाई होती तो आपदा की भयावहता और अधिक हो सकती थी। क्या हम अब इस आपदा से सचेत होंगे।

उत्तराखंड के नंदा देवी जैवमंडल में जहां किसी गांव को एक पत्ता भी छूने की अनुमति नहीं है, वहां पर ऋषिगंगा में एक बांध बनाने की अनुमति मिल जाती है। यह कैसी विडंबना है कि एक तरफ गांव, घर, जंगल और जमीन को बचाने वाले उस बायोस्फियर में कोई अधिकार नहीं रखते, लेकिन दूसरी तरफ एक बांध बनाकर हम इतनी बड़ी तबाही को जन्म दे देते हैं। अब समय इसका मंथन करने का भी है कि उत्तराखंड में बनने वाले बांधों की सीमा आखिर कब तय की जाएगी। यह समय इस प्रश्न पर विचार करने का भी है कि वर्तमान में जो तमाम बांध हमारे बीच में हैं, उनकी सुरक्षा की कितनी गारंटी है। अगर आज हमने इन सवालों के उत्तर नहीं ढूंढे और कोई ठोस निर्णय नहीं लिया, तो ऋषिगंगा जैसे हालात फिर खड़े हो जाएंगे। उत्तराखंड राज्य बनने के समय मन में यह उत्साह था कि यहां विकास की शैली ऐसी हो, जो इसके स्वभाव से जुड़ी हो, ताकि यह राज्य दुनिया में अपने आप को नए सिरे से स्थापित करे।

उत्तराखंड के लोग निश्चित रूप से दूसरे पहाड़ी राज्यों और देशों से अपनी तुलना का सपना संजोए थे। इस पहाड़ की तुलना हम स्विट्जरलैंड से करने जा रहे थे या अपने आप को भूटान जैसा देश बनाने के पक्ष में थे। लेकिन यह सब कुछ आज धराशायी होता हुआ दिखाई देता है। इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि हमें विकास चाहिए, लेकिन इस सिलसिले में इस पर जोर देने में हम बार-बार चूक जाते हैं कि हमारे विकास में पारिस्थितिकीय समावेश होना चाहिए। चाहे कोई बांध बनाना हो, सड़क का निर्माण करना हो या फिर कोई अन्य ढांचागत विकास, अगर इन सब में पारिस्थितिकी का जुड़ाव नहीं होगा, तो उसके वही परिणाम सामने होंगे, जो आज हमें ऋषिगंगा में दिखाई देता है। एक बार फिर उत्तराखंड अपनी लापरवाही के कारण आपदा की चपेट में आ फंसा है। यह आपदा इस बार शायद इस ओर साफ इशारा करती है कि हम कहीं बड़ी भूल कर रहे हैं। दूरस्थ पहाड़ियों के बीच में से निकलती ग्लेशियर पोषित ऋषिगंगा नदी पर बांध बनाना हमारी गलती इसलिए भी थी कि ग्लेशियर के नजदीक बांध बनाने की सोच ठीक नहीं कही जा सकती। इसके निर्माण के समय शायद हमारी महत्वाकांक्षा ने इस बात को महत्व नहीं दिया कि प्राकृतिक दृष्टिकोण से फैसला भविष्य में बहुत घातक सिद्ध हो सकता है और यही हुआ। कुछ समय से उत्तराखंड तमाम तरह की आपदाओं के बीच में घिरा रहा है। एक आपदा जो 2013 में आई थी और जिसने देश और दुनिया को हिला दिया था, वह केदारनाथ त्रासदी थी। उस आपदा के दस साल भी पूरे नहीं हुए कि फिर वैसी ही एक आपदा हमारे सामने आई। दोनों ही आपदाओं में एक बात सामान्य थी कि जलजले का कारण पहाड़ की चोटियों के ग्लेशियर से जुड़ा रहा है। 2013 में वर्षा ने उस त्रासदी को जन्म दिया था। जबकि विगत रविवार को दूसरी त्रासदी में ग्लेशियर के टूटने से ऋषिगंगा के मुहाने पर बना बांध जलप्रलय की चपेट में आ गया।

बाल विवाह पर अंकुश जरूरी

अब बाल विवाह को लेकर सोच में परिवर्तन आ रहा है। समाज में शिक्षा के प्रसार और आर्थिक स्थिति में सुधार का असर बाल विवाह की संख्या में कमी के तौर पर नजर आ रहा है। कुछ राज्य जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और झारखंड में इसमें उल्लेखनीय सुधार नजर आ रहा है। लेकिन अब भी काफी प्रयास किए जाने शेष हैं। सरकार और कानून के अलावा अब माता-पिता के साथ-साथ समाज को अपने स्तर पर बच्चों के भविष्य की चिंता करनी ही होगी।

भारत में बाल विवाह की प्रथा काफी पुरानी है। लाख कोशिशों के बाद भी अपने देश से यह कुप्रथा पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाई। सभ्य समाज के मुंह पर यह एक तमाचा है। यह मानव जीवन की सबसे बड़ी और दुखद त्रासदी है। यह सामाजिक बुराई हिंदी व अहिंदी भाषी दोनों तरह के राज्यों में समान रूप से प्रचलित है। विशेषकर राजस्थान, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और पश्चिम बंगाल में बाल विवाह का चलन आज भी है। मगर अब बदलाव दिख रहा है। इसका श्रेय सरकार को दिया जाए या समाज को अभी इस पर निष्कर्ष निकालना जल्दी होगा। मगर संतुष्टि यह है कि अब बाल विवाह को लेकर अब सोच में परिवर्तन आ रहा है। समाज में शिक्षा के प्रसार और आर्थिक स्थिति में सुधार का असर बाल विवाह की संख्या में कमी के तौर पर नजर आ रहा है। कुछ राज्य जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और झारखंड में इसमें उल्लेखनीय सुधार नजर आ रहा है।

उत्तर प्रदेश तो इस लिहाज से चैंपियन स्टेट की तरह उभरकर आया है और 15 से 19 साल की उम्र में सिर्फ 6.4 फीसदी लड़कियों की ही शादी हो रही है। हालांकि, बंगाल में स्थिति चिंताजनक है। कम उम्र में विवाह का बुरा प्रभाव किशोरियों के गर्भवती होने का है। बाल विवाह की दर में ज्यादातर राज्यों में कमी आई है पर कुछ राज्य ऐसे भी हैं जहां अन्य राज्यों की तुलना में सुधार अपेक्षाकृत काफी कम है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-चार (2017-18) के अनुसार, देश में बाल विवाद की औसत दर 11.9 फीसदी है। हिमाचल प्रदेश और मणिपुर में आंकड़ों में कुछ वृद्धि जरूर दर्ज की गई है। एनएफएचएस तीन (2005-06) के आंकड़ों से एनएफएचएस-चार (2017-18) के आंकड़ों में उत्तर प्रदेश के आंकड़ों में काफी सुधार हुआ है।

उत्तर प्रदेश में 29 फीसदी से दर कम होकर सिर्फ 6.4 फीसदी ही रह गया है। पश्चिम बंगाल में भी सुधार हुआ है, मगर कम है। बंगाल में 34 फीसदी से यह दर कम होकर 25.6 फीसदी रह गई है। बाल विवाह का दुष्प्रभाव कम उम्र में गर्भधारण के रूप में भी है। 15 से 19 की उम्र में शादी होने वाली लड़कियों में हर तीन में से एक लड़की टीन-ऐज में ही मां बन जा रही है। इस उम्र में शादी होने वाली लड़कियों में से एक चौथाई 17 साल की उम्र तक मां बन जाती हैं और 31 फीसदी 18 की उम्र तक मां बन जाती हैं। टीन-ऐज प्रेगनेंसी में गोवा पहले नंबर पर है, मिजोरम दूसरे और मेघालय तीसरे नंबर पर है। बाल विवाह को लेकर शहरों की स्थिति गांवों से बेहतर है और इसी तरह आर्थिक आधार भी बाल विवाह रोकने के लिहाज से अहम फैक्टर है। शहरों में बाल विवाह का औसत 6.9 फीसदी और गांवों में 14.1 फीसदी है। कुछ राज्य ऐसे हैं जहां शहरों में बाल विवाह के आंकड़े चौंका सकते हैं। शहरी क्षेत्र में विवाह में पहला नंबर हरियाणा का है और दूसरे नंबर पर तमिलनाडु है। तीसरे नंबर पर मणिपुर का नंबर आता है। दरअसल, छोटी आयु में विवाह का मुख्य कारण सिर्फ अशिक्षा व गरीबी है। अभिभावक गरीबी के कारण बेटी का जल्दी विवाह कर सामाजिक दायित्व से निवृत्त होना चाहते हैं।

नासमझी और अशिक्षित होने के कारण उन्हें यह ज्ञान नहीं रहता कि वे अपनी बेटी को एक अंधे कुएं की ओर धकेल रहे हैं जिसमें से वह ताउम्र नहीं निकल पाएगी। छोटी आयु में विवाह के कारण लड़की को गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ता है। खेलने-कूदने के दिनों में वह घर-गृहस्थी की समस्याओं से जूझती रहती है। इसके अलावा, उसे घरेलू हिंसा का सामना भी करना पड़ता है। फिर शारीरिक रूप से अपरिपक्वता के साथ उसे शिक्षा से भी वंचित होना पड़ता है। बाल विवाह को सख्ती से रोकने के लिए अनेक स्तरों पर प्रयास किए गए। यह सदियों पुरानी कुप्रथा है जिसे जाने अनजाने हम आज भी भले ही कम, मगर ढोते चले आ रहे हैं। 1928-29 में शारदा एक्ट बना, जिसमें नाबालिग बच्चों के विवाह को निषिद्ध किया गया। भारत सरकार ने इस कानून की पालना के लिए लड़के की आयु 21 वर्ष व लड़की की आयु 18 वर्ष निर्धारित की थी। इससे कम आयु के बच्चों का विवाह कानूनी रूप से निषिद्ध और दंडनीय अपराध स्वीकारा गया। बाल विवाह निषेध अधिनियम-2006 में बाल विवाह को दंडात्मक अपराध माना गया है।

रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 40 प्रतिशत बाल विवाह भारत में होते हैं। इनमें 49 प्रतिशत लड़कियों के विवाह 18 वर्ष से कम आयु में हो जाते हैं। लिंग भेद वर अशिक्षा सबसे बड़ा कारण माना गया है। यूनिसेफ के अनुसार राजस्थान में 82 प्रतिशत लड़कियों का विवाह 18 साल से पहले हो जाता है। 1978 में संसद द्वारा बाल विवाह निवारण कानून पारित किया गया था। इसमें विवाह की आयु निर्धारित की गई थी। यूनिसेफ की बच्चों संबंधी एक और रिपोर्ट में यह बताया गया है 47 प्रतिशत महिलाएं कानूनी रूप से 18 वर्ष से कम आयु में ब्याही गईं। इनमें 56 प्रतिशत महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों की थीं। बाल विवाह आज भी ज्वलंत समस्या के रूप में हमारे सामने है। यह अनादिकाल से चली आ रही है। सामाजिक मान्यता मिलने से इसे बढ़ावा मिलता रहा है। इसी कारण इस कुप्रथा ने विकराल रूप धारण कर लिया। अशिक्षा और अज्ञानती का वजह से कुछ लोग इस कुप्रथा को अब भी ढोए जा रहे हैं। बाल विवाह को बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन भी माना गया है। जब तक बच्चे बालिग या समझदार न हो जाएं और अपने भले-बुरे की पहचान के योग्य न हो जाएं, तब तक विवाह नहीं किया जाना चाहिए।

यह भी वैज्ञानिक परिणामों से स्पष्ट है कि बाल विवाह से अच्छे स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा का अधिकार, खेलने-कूदने के अवसर हासिल नहीं होते। कच्ची उम्र में शादी होने से स्वास्थ्य और जननांगों पर भी खराब असर पड़ता है जिसे बच्चों को ताउम्र झेलना पड़ता है। फिर छोटी उम्र में विवाह से लड़कियों को लड़कों की अपेक्षा अधिक हानि उठानी पड़ती है। असुरक्षित यौन संबंधों से उनके स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसके फलस्वरूप अनेक भीषण बीमारियों से ग्रस्त होना आम बात है। बाल विवाह के कारण बार-बार गर्भधारण और असमय गर्भपात का सामना करना पड़ता है और नवजात शिशु के भी अकाल मौत का शिकार होने का अंदेशा बना रहता है। कुपोषण और खून की कमी से मां और बच्चे के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। बाल विवाह के समर्थक इसके पक्ष में अनेक कुतर्कों का सहारा लेकर समाज को गुमराह करने का प्रयास करते हैं।

सामाजिक चेतना के अभाव और कानून की शिथिलता के कारण निश्चय ही बाल विवाह की सामाजिक कुरीति को बढ़ावा मिलता है। बाल विवाह को रोकने के लिए समाज में जनचेतना के प्रयास किए जाने बेहद आवश्यक हैं। पिछले कुछ दशकों से इस दिशा में किए गए प्रयासों का असर देखने को मिला है। शिक्षित समाज ने इस सामाजिक बुराई को समझा है। मगर ग्रामीण तबका आज भी बाल विवाह का पक्षधर है। इस तबके को समझाने के लिए सभी संभव प्रयास करने होंगे। इसके लिए बुजुर्गों का सहयोग जरूरी है।

ट्विटर

राज्य में आई आपदा के बाद सरकार बचाव कार्य में जुटी है। लोगों तक राहत पहुंचाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। जल्द ही राज्य भीषण आपदा से उबर जाएगा।

त्रिवेंद्र सिंह रावत, मुख्यमंत्री

रविवार को समुद्र तल से करीब 5600 मीटर की ऊंचाई पर 14 किमी वर्ग क्षेत्र का ग्लेशियर गिरा था। इससे धौलीगंगा और ऋषिगंगा में बाढ़ की स्थिति बन गई।

अमित शाह, गृह मंत्री

सत्यार्थ

भगवान बुद्ध की सीख

एक बार भगवान बुद्ध एक गांव में कुछ दिन के लिए ठहरे। अकसर गांव के लोग एकत्रित होकर उनके उपदेश सुना करते थे। एक दिन जीवन के विविध विषयों पर चर्चा चल रही थी। तभी बुद्ध की नजर चुपचाप बैठे एक श्रद्धालु पर पड़ी। उसके चेहरे पर उदासी झलक रही थी। बुद्ध ने उससे पूछा- क्या बात है? आप इतने उदास क्यों हो? वह बोला- मैं बहुत दुखी हूं, लेकिन दुख के निवारण की कोई युक्ति नहीं सूझ रही। बुद्ध ने पूछा- क्या दुख है? श्रद्धालु ने कोई जवाब नहीं दिया। फिर बुद्ध ने कुछ सोचकर कहा-दुख को गहराई से देखो। श्रद्धालु पूछने लगा- वह कैसे तथागत? बुद्ध बोले-जाओ जंगल से कुछ अंकुरित पौधे उखाड़ कर ले आओ, जिनमें सिर्फ दो-चार पत्तियां ही उगी हों, पर ध्यान रखना, वे पौधे अलग-अलग किस्म के हों। श्रद्धालु जंगल गया और कुछ पौधे उखाड़ कर ले आया। बुद्ध ने एक पौधा उसके हाथ में पकड़ाया और उसकी एक पत्ती पकड़कर पूछने लगे- यह किस वनस्पति का पौधा है? श्रद्धालु ने कहा- भगवन! मालूम नहीं, ये पत्तियां अभी ठीक से विकसित नहीं हुई हैं। अभी इनके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है। तब बुद्ध बोले- इस पौधे की गुठली देखो। श्रद्धालु ने गुठली हाथ में ली और देखकर कहा- यह तो निमोली है। फिर बुद्ध ने दूसरे पौधे की गुठली हाथ में पकड़े हुए पूछा- यह किसकी है? श्रद्धालु बोला- यह बेर है। बुद्ध ने तीसरे पौधे की गुठली दिखाते हुए पूछा, तो श्रद्धाल ने जवाब दिया-यह जामुन है। बुद्ध बोले- ऐसे ही हर दुख का भी बीज होता है। दुख के बीज पहचानो। जड़ तक गए बिना किसी भी समस्या का हल नहीं हो सकता है। बुद्ध की यह बात सुनते ही श्रद्धालु को अपने दुख दूर करने की युक्ति समझ में आ गई।

न्यूज

द्रमुक विधायकों के खिलाफ जारी विशेषाधिकार नोटिस रद्द

चेन्नई, (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने बुधवार को द्रमुक अध्यक्ष एमके स्टालिन तथा 17 अन्य विधायकों के खिलाफ जारी दूसरे विशेषाधिकार नोटिस को रद्द कर दिया । श्री स्टालिन तथा द्रमुक के 17 अन्य विधायकों के खिलाफ विशेषाधिकार नोटिस जुलाई 2017 में प्रतिबंधित गुटखा उत्पादों को विधानसभा में दिखाए जाने के मामले जारी हुआ था। श्री स्टालिन तथा अन्य विधायकों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश पुष्पा सत्यनारायण ने प्रथम पीठ के आदेशों के आधार पर दूसरे नोटिस को रद्द कर दिया। इससे पहले प्रथम पीठ ने प्रथम नोटिस को खारिज कर दिया था। दूसरा नोटिस जारी होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विधानसभा में विपक्ष के नेता स्टालिन ने कहा कि यह नोटिस मुझे तथा अन्य विधायकों को विधानसभा की कार्यवाही में शामिल होने से रोकने के लिए जारी किया गया था।

भिखारीवाल की निशानदेही पर 2 पिस्तौल, 5 कारतूस बरामद

गुरदासपुर, (एजेंसी)। दुबई से पकड़ कर लाए गए गिरोहबाज सुखमीत पाल सिंह उर्फ सुख भिखारीवाल की निशानदेही पर धारीवाल पुलिस ने दो पिस्तौल और पांच जीवित कारतूस बरामद किये हैं। धारीवाल पुलिस थाना प्रभारी मंजीत सिंह ने बताया कि सुख भिखारीवाल को पिछले साल शिवसेना हिंदुस्तान पार्टी के यूथ विंग के पंजाब प्रधान हनी महाजन पर फायरिंग की घटना के सिलसिले में दुबई से लाया गया था। पिछले साल 11 फरवरी को हुई फायरिंग की इस घटना में श्री महाजन घायल हुए थे और उनके साथ अशोक कुमार नामक एक युवक की मौत हो गई थी। पुलिस ने बताया कि रिमांड में पूछताछ के दौरान भिखारीवाल ने बताया कि नवंबर 2019 में जाली पासपोर्ट पर विदेश जाने से पूर्व दो पिस्तौल व कारतूस जफरवाल गांव के निकट एक बंद पुली के नीचे छुपा कर रख गया था।

सउदी अरब के एयरपोर्ट पर हूती विद्रोहियों का ड्रोन से हमला

दुबई, (एजेंसी)। दक्षिणी सऊदी अरब के एक एयरपोर्ट पर यमन के हूती विद्रोहियों ने बुधवार को ड्रोन से हमला कर दिया। इसकी वजह से एक नागरिक विमान में आग लग गई। जानकारी के अनुसार यह घटना सऊदी अरब के आभा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की है और आग पर काबू पा लिया गया है। बता दें कि यह एयरपोर्ट यमन की सीमा के काफी पास है और हूती विद्रोही अक्सर इसे निशाना बनाते रहते हैं। हूती विद्रोहियों ने इस हमले का जिम्मा लिया है और इसे सैन्य निशाना बताया है। सऊदी के सरकारी टीवी अल-अखबारिया टेलीविजन ने विद्रोहियों के खिलाफ लड़ रहे रियाध की अगुवाई वाले सैन्य संगठन के हवाले से कहा, कि हूती लड़ाकों की ओर से सऊदी अरब के आभा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट में डर से भरा हुआ एक आपराधिक आतंकी हमला किया गया। इस हमले की वजह से एयरपोर्ट पर मौजूद एक यात्री विमान में आग लग गई, जिस पर काबू पा लिया गया है।

**सतर्क रहे!
सुरक्षित रहे!
कोरोना वायरस से सावधान रहे
क्योंकि सावधानी ही बचाव हैं।
कोरोना को धोना हैं।**

ट्रंप के खिलाफ महाभियोग ट्रायल संवैधानिक: सीनेट

पक्ष में 56 और विपक्ष में 44 मत डाले गए

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका सीनेट ने कहा है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ महाभियोग का ट्रायल पूरी तरह से संवैधानिक है।

इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति के वकीलों ने हालांकि सीनेटरों से महाभियोग को असंवैधानिक और स्पष्ट रूप से गलत आरोप बताते हुए खारिज करने का आग्रह किया था लेकिन सीनेटरों ने उनकी इस अपील को दरकिनार करते हुए महाभियोग को संवैधानिक बताया। वकीलों ने कहा था कि श्री ट्रंप का छह जनवरी को कैपिटल हिल में हुई हिंसा से कोई लेना देना नहीं था।

गौरतलब है कि श्री ट्रंप के समर्थकों ने छह जनवरी को वाशिंगटन में कांग्रेस बिल्डिंग कैपिटल हिल पर हमला कर संपत्ति को नुकसान पहुंचाया था। यह हिंसक घटना उनके द्वारा व्हाइट हाउस के पास हजारों समर्थकों को संबोधित किये जाने के बाद हुई थी। प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा में दो महिलाओं समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी, जबकि पुलिस ने इस सिलसिले में कई लोगों को गिरफ्तार भी किया है। श्री ट्रंप पर कैपिटल हिल में हुई हिंसा को उकसाने का आरोप है जिसकी वजह से उनके खिलाफ महाभियोग लाने की बात की जा रही है।

ट्रंप बचाव पक्ष के वकील से नाखुश

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने महाभियोग पर सुनवाई के पहले दिन बचाव पक्ष के वकील की ओर से दी गई दलील पर अप्रसन्नता जताई है। इस मामले से परिचित दो लोगों के हवाले से बताया कि श्री ट्रंप अपने वकील ब्रूस कैंटर की शुरुआती दलील से इतने निराश थे कि वह लगभग चिल्ला रहे थे। बिल कैसिडी, जॉन कॉर्निन और टेड क्रूज जैसे रिपब्लिकन सांसद पहले ही सार्वजनिक रूप से श्री ट्रंप की कानूनी टीम की इस बात के लिए आलोचना कर चुके हैं कि वह सुनवाई के दौरान इस पर ठोस दलील नहीं रख पायी कि एक पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग की सुनवाई संवैधानिक है या नहीं। श्री ट्रम्प के खिलाफ महाभियोग की सुनवाई को संवैधानिक घोषित करने के लिए सीनेट में मंगलवार को मतदान हुआ जिसमें इसके। छह रिपब्लिकन सांसदों ने मतदान में डेमोक्रेटिक पार्टी का साथ दिया।

ट्रंप की कानूनी टीम अपने पक्ष में ठोस दलील नहीं रख पाई

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ महाभियोग का रास्ता साफ

अमेरिकी सीनेट में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ महाभियोग की शुरुआत 13 मिनट का एक भावनात्मक वीडियो दिखाकर किया गया। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि रिपब्लिकन को पता था कि बुधवार को अमेरिका में सभी की नजर इस पर होगी। इसलिए जितना भी वह इमोशनल दृश्य वीडियो में शामिल कर सकते थे, वह उन्होंने किया। ट्रंप का पक्ष रखने वाले अटॉर्नी ने भी वीडियो देखने के बाद अपनी रणनीति बदल दी और एक घंटे से ज्यादा की भावनात्मक स्पीच दी, इतिहास की कई कहानी सुनाई और अपनी भी कहानी सुनाई। ऐसा उन्होंने इसलिए किया क्योंकि वे इमोशन से इमोशन को काट रहे थे, वह ट्रम्प का बचाव करने से ज्यादा सिर्फ भावनात्मक बातें कर रहे थे और इस बात में 13 मिनट के वीडियो पर वह भारी पड़े। हालांकि, डिबेट के बाद वोटिंग हुई जिसमें नतीजा 56-44 से ट्रायल के पक्ष में आया। 56 इस पक्ष में थे कि ट्रायल होना चाहिए, 44 रिपब्लिकन विरोध में थे। नतीजन अब ट्रंप का ट्रायल होगा। क्योंकि छह रिपब्लिकन ने ट्रंप के खिलाफ वोट दिया है इसीलिए यह छह महाभियोग की वोटिंग में भी खिलाफ ही रहेंगे ऐसी उम्मीद है। अभी भी 11 रिपब्लिकन को महाभियोग के लिए और तोड़ना होगा जो कि असंभव लगता है।

विधायक ट्रैक्टर पर

जयपुर में बुधवार को राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र में शामिल होने के लिए कांग्रेस विधायक इंदिरा मीणा ट्रैक्टर से पहुंची।

राजस्थान सरकार ने विषम परिस्थितियों में महत्वपूर्ण कदम उठाए: कलराज मिश्र

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान के राज्यपाल ने बुधवार को शुरू हुए पन्द्रहवीं विधानसभा का छठे एवं बजट सत्र में अपने अभिभाषण में राज्य सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। श्री मिश्र ने अपने अभिभाषण में कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना में राज्य सरकार द्वारा विषम आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद इस कठिन दौर में भी विकास के पहिये को निरंतर गतिमान रखा गया। आपदा को अवसर में बदलते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के साथ ही सभी क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए।

उन्होंने कहा कि उन्हें यह बताते हुए गर्व है कि कोरोना प्रबंधन में राजस्थान ने देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत किया। कोरोना से कोई जनहानि नहीं हो इस लक्ष्य के साथ इससे प्रभावित व्यक्तियों की आरटपीसीआर जांच सहित संबंधी सभी जांचें एवं उपचार की सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध कराई गई तथा कोई भूखा न सोए के संकल्प के साथ जरुरतमंदों को भोजन तथा अन्य सुविधाएं भी दी गई। उन्होंने कहा कि कोरोना के बावजूद समाज के हर वंचित को विकास की मुख्यधारा से जोड़कर विकासपरक दृष्टिकोण का दायरा बढ़ाते हुए राज्य की लोककल्याणकारी सरकार ने कृषक ऋण माफी इंदिरा रसोई योजना, औद्योगिक विकास, वन स्टॉप शॉप, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं,जैसी योजना का विस्तार कर आमजन में नई ऊर्जा का संचार किया है। वहीं दूसरी ओर एक विधायक ने केंद्रीय कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग के लिए आंदोलन कर रहे किसानों के समर्थन में 'जय श्री किसान' और 'आंदोलनजीवी जिंदाबाद' के नारे लगाए।।

पहली बार किसी विधानसभा में संविधान की प्रस्तावना एवं मूल कर्तव्यों का वाचन

राज्यपाल कलराज मिश्र ने बुधवार को 15वीं राजस्थान विधानसभा के छठे सत्र में अभिभाषण दिया, देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ कि किसी विधानसभा में राज्यपाल ने सदन में संविधान की प्रस्तावना एवं मूल कर्तव्यों का वाचन किया।

पहले दिन भारी हंगामा: राजस्थान की पंद्रहवीं विधानसभा के छठे एवं बजट सत्र के पहले दिन बुधवार को सदन में भारी हंगामा हुआ और किसान आंदोलन की गूंज सुनाई दी। अभिभाषण खत्म होते ही माकपा विधायक बलवान पूनियां ने किसान मुद्दों को लेकर जोर*जोर से बोलना शुरू कर दिया।

बिहार में औद्योगिक निवेश बढ़ाना, रोजगार मुहैया कराना प्राथमिकता

रेणु ने विभाग पहुंच दिया गुलाब

पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन ने बुधवार को बिहार के उद्योग मंत्री के तौर पर अपना कार्यभार संभाल लिया। हुसैन का कद बढ़ा या छोटा हुआ,राजनीतिक गलियारों में इसको लेकर अलग-अलग तरह से चर्चा हो रही है। लेकिन जब शाहनवाज की शिक्षिका पत्नी रेणु उनके लिए गुलाब का गुलदस्ता लेकर उद्योग विभाग पहुंचीं तो वे काफी खुश दिखे।

पटना, (एजेंसी)। बिहार के नए उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने राज्य में औद्योगिक निवेश बढ़ाने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने को अपनी प्राथमिकता बताया और कहा कि सरकार निवेशकों को हर सुविधा देने को तैयार है।

श्री हुसैन ने बुधवार को उद्योग विभाग का कार्य भार संभालने के बाद कहा कि बिहार में हर युवा को रोजगार और हर मजदूर को काम मिले यह उनका लक्ष्य है। 19 लाख रोजगार सृजन के भाजपा के वादे को पूरा किया जाएगा।

किसान महापंचायत में बोलीं प्रियंका, सत्ता में आते ही तीनों कृषि कानूनों को खत्म कर देंगे

सहारनपुर, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि अगर पार्टी सत्ता में आती है तो तीन कृषि कानूनों को खत्म कर देगी। बुधवार को सहारनपुर में किसान महापंचायत को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने संबोधित किया। प्रियंका ने कहा कि 1955 में जवाहरलाल नेहरू ने जमाखोरी के खिलाफ कानून बनाया था। लेकिन इस कानून को भाजपा सरकार ने खत्म कर दिया है।

यह नया कानून 'अरबपतियों' की मदद करेगा। वे किसानों की उपज का मूल्य तय करेंगे। नए कृषि कानूनों को लेकर केंद्र पर हमला करते हुए, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सहारनपुर में एक रैली में कहा कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वे कृषि कानूनों को खत्म कर देंगे। पार्टी द्वारा आयोजित 'किसान पंचायत' में, कांग्रेस महासचिव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य भाजपा नेताओं पर किसानों का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तीन कानून काले कानून हैं। अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो इन कानूनों को रद्द कर देगी। उन्होंने कहा कि जब तक कानूनों को खत्म नहीं किया जाता है तब तक पार्टी की लड़ाई जारी रहेगी।

अगले साल यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले इस तरह किसान के बीच पार्टी ने पहली रैली की है। प्रियंका ने कहा कि ये नए कानून 'अरबपतियों' की मदद करेंगे।

किसान पंचायत में अलग रूप में दिखी

प्रियंका वाड्रा बुधवार को काले कुर्ते-पायजामा, भगवा दुपट्टा और तिलक लगाए अलग अंदाज में दिखी। गुरुवार को मोनी अमावस्या पर प्रियंका प्रयागराज संगम पर पवित्र डुबकी लगाएगी।

प्रशांत महासागर में 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, कई देशों में सुनामी का अलर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के उत्तरी क्षेत्र स्थित गहरे समुद्र में बुधवार को शक्तिशाली भूकंप आया, जिस कारण क्षेत्र के कुछ हिस्सों में सुनामी की चेतावनी जारी करनी पड़ी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.7 मापी गई और इसका केंद्र लॉयल्टी द्वीप के दक्षिण-पूर्व में 10 किलोमीटर (छह मील) की गहराई में स्थित था।

बताया जा रहा है कि इस सुनामी का असर न्यूजीलैंड से लेकर इंडोनेशिया तक हो सकता है। अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र ने वानूआतू और फिजी के लिए 0.3 से एक मीटर (1 से 3.3 फुट) तक की सुनामी संबंधी चेतावनी जारी की। सुनामी चेतावनी जारी की गई और फिर अमेरिकन समोआ के लिए इसे रद्द कर दिया गया। वहीं ऑस्ट्रेलियाई मौसम विभाग ब्यूरो ने एक ट्वीट में सुनामी की पुष्टि करते हुए बताया कि लॉर्ड होवे द्वीप पर इससे खतरा है।

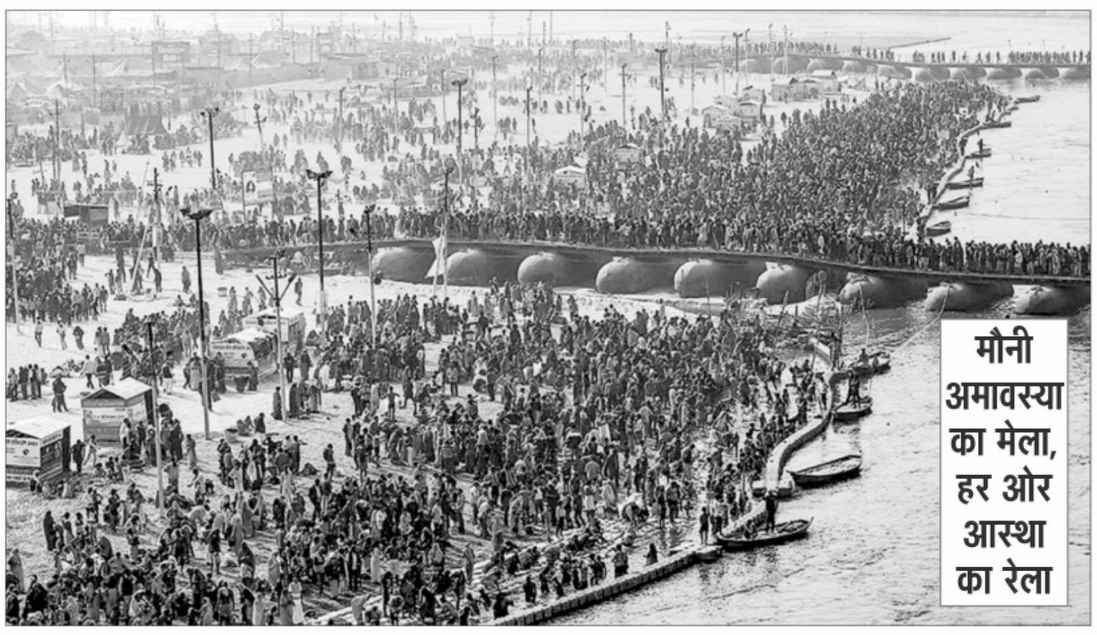

मौनी अमावस्या का मेला, हर ओर आस्था का रेला

प्रयागराज। आस्था, विश्वास और संस्कृतियों के संगम तीर्थराज प्रयाग के तीसरे सबसे बड़े स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाने वाले श्रद्धालु लाखों की संख्या में बुधवार से ही जुट गए हैं। मौनी अमावस्या गुरुवार को है।

पीएजीडी के खाते में डीडीसी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष का पद

श्रीनगर, (एजेंसी)। पीपुल्स एलायंस फॉर गुप्कर डिक्लेयरेशन (पीएजीडी) ने गंदेरबल और पुलवामा जिलों में जिला विकास परिषद (डीडीसी) के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों पर बुधवार को जीत हासिल कर ली।

इस बीच पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख एवं पीएजीडी की उपाध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने पुलवामा और गंदेरबल में पीएजीडी के घटक नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) और पीडीपी से अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष चुने जाने को लेकर दोनों जिलों के डीडीसी सदस्यों को बधाई दी है। गंदेरबल के उपायुक्त शफाकत इकबाल ने कहा कि डीडीसी के बुधवार हुए चुनाव में नौ वोट हासिल करने के बाद एनसी उम्मीदवार नुजहत इशफाक तथा आठ वोट हासिल कर पीडीपी के बिलाल अहमद शेख उपाध्यक्ष चुने गये। इसी प्रकार दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में पीडीपी उम्मीदवार सैयद बारी अंद्राबी अध्यक्ष तथा एनसी के मुख्तार अहमद उपाध्यक्ष चुने गए। डीडीसी के चुनाव में जीते पीडीपी युवा इकाई के अध्यक्ष वाहिद उर रहमान पर्रा गिरफ्तारी के चलते अब तक शपथ नहीं ले पाए है।

कारगिल में भारी हिमपात से एएन-32 कूरियर सेवा रद्द

श्रीनगर, (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के सीमांत कारगिल जिले में बुधवार सुबह ताजा हिमपात होने से भारतीय वायु सेना की एन 32 कूरियर सेवा को रद्द करना पड़ा। एएन-32 करियर सेवा के मुख्य समन्वयक अमीर अली ने कहा कि बुधवार सुबह ताजा हिमपात के कारण कारगिल और जम्मू के बीच इस विमान को रद्द करना पड़ा है। हमने आज के लिए कारगिल और जम्मू के बीच दो एएन 32 करियर सेवा की योजना बनाई थी, बर्फबारी के कारण दोनों ओर से विमान सेवा को रद्द किया गया है। नई तिथि की घोषणा बाद में की जाएगी।

कारगिल के यात्रियों के लिए वायु सेना सर्दियों के दौरान एएन-32 कूरियर सेवा को संचालित कर रही है जिसका एक जनवरी 2021 से जोजिला दर्रे और अन्य स्थानों में बर्फ जमा होने के कारण श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग के बंद होने से अन्य क्षेत्रों से संपर्क कट गया था।गौरतलब है कि कारगिल से जम्मू के बीच दो उड़ानो में मंगलवार को एएन-32 कारगिल कूरियर सेवा से चार नवजात शिशुओं सहित 54 यात्रियों को उनके गंतव्य पहुंचाया गया। इसी तरह से जम्मू से करगिल के लिए एक फेरे में 26 यात्रियों को ले जाया गया। लद्दाख को कश्मीर घाटी से जोड़ने वाला राजमार्ग मार्च के अंत या फिर अप्रैल में वाहनों की आवाजाही के लिए खुलेगा। वही मौसम विभाग के एक प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि कश्मीर घाटी में अगले तीन दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा जिसके कारण रात के तापमान में और गिरावट दर्ज की जाएगी।

अब पाक में निकाली जाएगी ट्रैक्टर रैली: गोपाल चावला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत में कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे किसान आंदोलन की आड़ में खालिस्तानी अलगाववादी सक्रिय हैं और अपने नापाक मंसूबों को जाहिर करने का कोई मौका चूक नहीं रहे हैं।

खालिस्तानी अलगाववादी गोपाल सिंह चावला ने अब पाकिस्तान में ट्रैक्टर रैली निकालने का ऐलान किया है। हाफिज सईद के करीबी गोपाल चावला ने इसे भारतीय किसानों के समर्थन में बताया है, लेकिन विदेशी धरती पर उसकी इस नौटंकी के पीछे मकसद भारत विरोध है।

खालिस्तानी अलगाववादी दे रहे नापाक मंसूबों को अंजाम

बता दें कि गोपाल सिंह चावला पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का चमचा है और वह लंबे समय से भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल है। वह लश्कर-ए-तैयबा और हाजिफ सईद का भी करीबी है। 2018 में भारत ने पाकिस्तान को गोपाल चावला के खिलाफ सबूत सौंपकर कार्रवाई की मांग की थी।

महामारी अमेरिका में संक्रमितों की संख्या 2.78 करोड़ से अधिक, जबकि 4.79 लाख मरीजों की हुई मौत

विश्व में कोरोना से 23.53 लाख लोगों की मौत

वाशिंगटन/रियो डि जेनेरो (एजेंसी)। विश्व में कोरोना महामारी से 23.53 लाख से अधिक लोगों की मौत हो गई है और 10.75 करोड़ से अधिक लोग इससे प्रभावित हो चुके हैं।

आंकड़ों के मुताबिक विश्व के 192 देशों में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 10,75,20,901 हो गई है तथा 23,53,974 मरीजों की मौत हो चुकी है।

कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित अमेरिका में संक्रमितों की संख्या 2.78 करोड़ से अधिक हो गई है, जबकि करीब 4,79,839 लाख मरीजों की मौत चुकी है। ब्राजील में कोरोना वायरस से 96.02 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं और इस महामारी से 2,33,588 मरीजों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन में कोरोना संक्रमितों की संख्या 39.83 लाख से ज्यादा हो गई है और 1,14,066 लोगों की मौत हुई है।

रूस में कोरोना से संक्रमितों की संख्या 40.12 लाख के पार पहुंच गई है, जबकि 78,134 लोगों की मौत हो गई है। फ्रांस में कोरोना संक्रमितों की संख्या 34.19 लाख के पार पहुंच गई है और 80,295 मरीजों की मौत हो चुकी है। स्पेन में इस महामारी से अब तक 30 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं तथा 63,061 लोगों की मौत हो चुकी है। इटली में संक्रमितों की संख्या करीब 26.55 लाख के पार हो गई है और 92,002 लोगों की मौत हो चुकी है। तुर्की में कोविड-19 से अब तक करीब 25.48 लाख लोग प्रभावित हुए हैं तथा 26,998 लोग काल के गाल में समा गए हैं।

जर्मनी में इस वायरस की चपेट में आने वालों की संख्या 23.04 लाख के ज्यादा हो गई है तथा 63,481 लोगों की मौत हो चुकी है। कोलंबिया में इस जानलेवा वायरस से अब तक 21.66 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं तथा 56,507 लोगों ने जान गंवाई है। अर्जेंटीना में कोविड-19 से 19.93 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं तथा 49,566 लोगों की मौत हो चुकी है। मेक्सिको में कोरोना से 19.46 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और 168,432 लोगों की मौत हो चुकी है।

ब्राजील ने कोवैक्स टीके को निबंधन प्रक्रिया से किया अलग

मेक्सिको सिटी, (एजेंसी)। ब्राजील ने अंतरराष्ट्रीय कोवैक्स सुविधा के माध्यम से आपूर्ति किए गए कोरोना वायरस टीके को पंजीकरण और आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण की नियमित प्रक्रियाओं से मुक्त रखा है। स्वास्थ्य नियामक एन्विसा ने बुधवार को इस आशय की घोषणा की। नियामक ने कहा कि एन्विसा बोर्ड ने मंगलवार को उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है जिसमें वैश्विक कोविड-19 वैक्सीन एक्सेस टूल - कोवैक्स फैसिलिटी के माध्यम से स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से खरीदे गए टीकों के आपातकालीन उपयोग के लिए पंजीकरण और अस्थायी प्राधिकरण को रद्द किया गया है। विनियमन प्रासंगिक आयात और दवा नियंत्रण को सरल बनाता है ताकि जितनी जल्दी हो सके ब्राजील की आबादी को उच्च गुणवत्ता वाले, सुरक्षित एवं प्रभावी टीकों की उपलब्धता सुनिश्चित किया जा सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन की अगुवाई वाली कोवैक्स सुविधा का उद्देश्य सुरक्षित और प्रभावी टीकों तक समान पहुँच सुनिश्चित करना है। इस सुविधा में 90 से कम निम्न और मध्यम आय वाले देश शामिल हैं जो टीकों के खर्च को वहन करने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करेंगे।

हसीना बेगम का हार्ट अटैक से निधन

18 साल पाकिस्तान की जेल में बंद रहने के बाद लौटी थीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पिछले दिनों 18 साल के बाद पाकिस्तान से भारत अपने देश वापस लौटने वालीं 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला हसीना बेगम का मंगलवार को हार्ट अटैक के चलते निधन हो गया। बेगम 18 साल पहले अपने पति के रिश्तेदारों से मिलने के लिए पाकिस्तान गई थीं, लेकिन पासपोर्ट खो जाने के कारण से वे 18 साल तक वापस नहीं आ सकीं। उन्हें पाकिस्तान की जेल में बंद कर लिया गया था।

औरंगाबाद पुलिस द्वारा इस मामले पर रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पिछले महीने के अंतिम सप्ताह में वे भारत आ सकी थीं। सिटी चौक पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारी संभाजी पवार ने बताया कि उन्हें देर रात में तकरीबन डेढ़ बजे हार्ट अटैक आया, जिसके बाद उनकी मौत हो गई। उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया है। बता दें कि बेगम के वतन लौटने पर उनके रिश्तेदारों और औरंगाबाद पुलिस अधिकारियों ने उनका स्वागत किया था।

मैनकाइंड फार्मा की तरफ से कोरोना वारियर्स डा.एस.पी. डोगरा को दी गई श्रद्धांजलि

■ जालंधर/रवि

कोरोना जैसी महामारी ने जिस तरह जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया है कुछ ऐसे डॉक्टर भी है जिन्होंने मरीजों की सेवा में अपने जीवन का बलिदान तक दिया ऐसे ही जालंधर शहर के मशहूर डॉ एस पी डोगरा ने मरीजों की सेवा करते करते अपने जीवन की कुर्बानी दे दी आज उनको श्रद्धांजलि स्वरूप मैनकाइंड फार्मा लिमिटेड दवाइयों की एक मशहूर कंपनी ने एक बहुत ही बढ़िया आयोजन किया।

आज मैनकाइंड फार्मा की तरफ से डॉ एस.पी डोगरा को श्रद्धांजलि स्वरुप डॉ एस.पी डोगरा के पुत्र डॉ निर्भय डोगरा को 5 लाख की राशि चेक द्वारा दी गई।

डॉ निर्भय डोगरा ने मैनकाइंड फार्मा का शुक्रिया करते हुए कहा की दवा कंपनियां डॉक्टर की सपोर्ट में तो आती है पर यह एक इकलौती ऐसी कंपनी है जिसने किसी डॉक्टर के जाने के बाद भी उनकी सपोर्ट में एक ऐसा कदम उठाया है जो की बहुत ही महत्वपूर्ण है हम दिल से इस कंपनी का शुक्रिया अदा करते हैं । इस मौके पर एन एच एस के डायरेक्टर डॉ संदीप गोयल ,डॉ एन के शर्मा, डॉ पी.के गुगलानी, डॉ निर्मल, डॉ दयाल अरोड़ा, डॉ विकास शर्मा के साथ मैनकाइंड फार्मा के सीनियर रीजनल मैनेजर संदीप शर्मा एवं डिस्ट्रिक्ट एरिया मैनेजर अजय महाजन भी उपस्थित थे।

मंडी गोबिन्दगढ़ निवासी बलविन्दर सिंह जाली फर्में बनाने और इनके संचालन के दोष में गिरफ्तार

पिता -पुत्र ने दिल्ली और राजस्थान में कई जाली फर्में बनाईं, 200 करोड़ से अधिक जाली बिलिंग होने का शक

चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब राज्य जी.एस.टी. के जांच विंग के अधिकारियों की तरफ से आज बलविन्दर सिंह (उर्फ बाबू राम) पुत्र पारस राम निवासी मंडी गोबिन्दगड़, जिला फतेहगड़ साहिब को पंजाब, दिल्ली और राजस्थान समेत अलग-अलग राज्यों में जाली फर्में बनाने और इनके संचालन के दोष में गिरफ्तार किया गया। प्राथमिक तौर पर की गई पड़ताल में उसकी तरफ से सरकार के साथ टैक्स की अदायगी के मामले में 8.95 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है।

इस सम्बन्धी जानकारी देते हुये आज यहाँ पंजाब सरकार के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि कमिशनर स्टेट टैक्स की तरफ से जीएसटी एक्ट की धारा 69 के अधीन धारा 132 (1) (ए), (बी) और (सी) का उल्लंघन करने के दोष में बलविन्दर सिंह पुत्र पारस राम और उसके पुत्र प्रिंस धीमान की गिरफ्तारी के लिए एक हुक्म जारी किये गए थे।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि विभाग की टीमों से तरफ से मुलजिम की रिहायश समेत कई स्थानों पर तलाशी और जब्ती के लिए कार्यवाहियां की गई जिससे पंजाब और बाहरी राज्यों में लोहे के कबाड़ और तैयार माल से सम्बन्धित फर्मों के निर्माण की कार्य विधि और इसके उपरांत पंजाब राज्य के अलग-अलग लाभार्थीयों को माल देने से पहले अपने नाम या अन्य व्यक्तियों और पारिवारिक सदस्यों के नाम के तहत बनी अन्य फर्मों को माल देने सम्बन्धी जाली बिलिंग के सबूत जुटाए जा सकें।

विजीलैंस ब्यूरो ने नगर-निगम फगवाड़ा के इंस्पेक्टर को एक लाख रुपए की रिश्वत के मामले में किया काबू

■ जालंधर/रवि

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने आज नगर निगम, फगवाड़ा की बिल्डिंग ब्रांच में तैनात एक इंस्पेक्टर को 1,00,000 रुपए की रिशवत लेने के मामले में गिरफ्तार किया है। यह प्रगटावा करते हुये डीजीपी -कम -चीफ डायरैक्टर विजीलैंस ब्यूरो बी.के. उप्पल ने बताया कि नगर निगम फगवाड़ा के इंस्पेक्टर पलपरनीत सिंह को विजीलैंस टीम की तरफ से शिकायतकर्ता सतीन्द्र सिंह निवासी फगवाड़ा, कपूरथला से 1,00,000 रुपए की रिश्वत हासिल करने केस में गिरफ्तार किया है। उन्होंने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने विजीलैंस तक पहुँच की और दोष लगाया कि उपरोक्त इंस्पेक्टर ने उस (शिकायतकरता) की माँ के नाम पर रजिस्टर्ड एक 20 मरला प्लाट की चारद्वारी का निर्माण करने और नक्शे को मंजूरी देने के लिए रिशवत के तौर पर 1,00,000 रुपए की माँग की। शिकायतकर्ता ने बताया कि इंस्पेक्टर पलपरनीत सिंह ने उसके प्लाट के नक्शे को मंजूरी के लिए सरकारी फीस के तौर पर 1,00,000 रुपए माँगे और शिकायतकर्ता के पिता जसविन्दर सिंह ने उसको 50,000 रुपए की दो किस्तों में दिए। उन्होंने कहा कि जब शिकायतकर्ता के पिता जसविन्दर सिंह दफ्तर गए तो उसको पता लगा कि मुलजिम इंस्पेक्टर को मुअत्तल करने के बाद ट्रांसफर कर दिया गया है। जब जसविन्दर सिंह ने वहाँ अपने प्लाट से सम्बन्धित फाइल के बारे पूछा तो उसे बताया गया कि इस दफ्तर में ऐसी कोई फाइल जमा ही नहीं की गई।

इस तरह इंस्पेक्टर पलपरनीत सिंह ने जसविन्दर सिंह को धोखा दिया और सरकारी फीस के नाम पर 1,00,000 रुपए ठग लिए।

उन्होंने बताया कि जसविन्दर सिंह ने उक्त इंस्पेक्टर के खिलाफ थाना सतनामपुरा, फगवाड़ा में शिकायत दर्ज करवाई है। जांच अधिकारी ने दोनों पक्षों को थाने में बुलाया और जांच के दौरान उक्त इंस्पेक्टर ने स्वीकार कर लिया कि उसने जसविन्दर सिंह से 1,00,000 रुपए लिए हैं। इसके अलावा इंस्पेक्टर पालपरनीत सिंह ने बताया कि उसने जसविन्दर सिंह को 15,000 रुपए पहले ही वापस कर दिए हैं और एक महीने के अंदर बाकी रकम वापस कर देगा। इंस्पेक्टर पालपरनीत सिंह ने जसविन्दर सिंह को कोटक महेन्दरा बैंक का 85000 रुपए का एक चैक दे दिया परन्तु जब उसने पैसे निकलवाने के लिए चैक लगाया तो बैंक की तरफ से चैक बाऊंस कर दिया गया।

इस तरह, इंस्पेक्टर पालपरनीत सिंह ने अपने सरकारी पद का दुरुपयोग करते हुये गलत ढंग से इसका लाभ लिया और रिश्वतखोरी केस में उसका सम्मिलन साबित हुआ।

उन्होंने बताया कि दोषी इंस्पेक्टर के खिलाफ विजीलैंस के पुलिस थाना, जालंधर में भ्रष्टाचार रोकथाम एक्ट के अंतर्गत केस दर्ज करके गिरफ्तार कर लिया गया है और अगली पड़ताल जारी है।

विजीलैंस की तरफ से 3 लाख रुपए की रिश्वत लेने के मामले में इंटेलिजेंस विंग का सीनियर इंटेलिजेंस सहायक गिरफ्तार

■ जालंधर/रवि

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो की तरफ से आज पंजाब पुलिस के इंटेलिजेंस विंग के सीनियर इंटेलिजेंस सहायक, जो मौजूदा समय सी.आई.डी. यूनिट, लुधियाना में तैनात है, को एक केस में विजीलैंस जांच रुकवाने के नाम के तहत तीन लाख रुपए की रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया है। इस सम्बन्धी जानकारी देते हुये डीजीपी -कम -चीफ डायरैक्टर विजीलैंस ब्यूरो बी.के. उप्पल ने बताया कि विजीलैंस टीम ने इंटेलिजेंस विंग, जालंधर में तैनात सीनियर इंटेलिजेंस सहायक सतपाल (नंबर 2736/इंटेलिजेंस) को, जे.एस.के. लौजिस्टिकस नामक फर्म के भाईवालों से उनके खिलाफ चलती विजीलैंस जांच रुकवाने का बहाना लगा कर तीन लाख रुपए की रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया है। इस केस के विवरण देते हुये उन्होंने आगे बताया कि तीन हिस्सेदार जालंधर में जे.एस.के. लौजिस्टिकस कंपनी चला रहे हैं। विजीलैंस की टीम ने किसी मामले में फर्म के हिस्सेदार कैलाश चंद शर्मा को गिरफ्तार करने के लिए जे.एस.के. लौजिस्टिकस में छापा मारा था। इस मामले में, सीनियर इंटेलिजेंस सहायक सतपाल ने बहुत चालाकी से विजीलैंस का अधिकारी होने और विजीलैंस ब्यूरो के सीनियर अधिकारियों के साथ सम्बन्ध होने का दिखावा किया और विजीलैंज जांच रुकवाने और इस मामले में सहायता करने के लिए जे.एस.के. लौजिस्टिकस के दूसरे हिस्सेदार सन्दीप शर्मा से 3,00,000 रुपए की माँग की।

उन्होंने आगे बताया कि विजीलैंस ब्यूरो की जांच से डरते जे.एस.के. लौजिस्टिकस के हिस्सेदार ने ट्रांसपोर्ट नगर, जालंधर के गेट पर अपने पास काम करते कर्मचारी राजेंद्र लुथरा की मौजुदगी में सीनियर इंटेलिजेंस सहायक सतपाल को 3,00,000 की रिश्वत दी। उन्होंने आगे कहा कि दोषी सीनियर इंटेलिजेंस सहायक को इस जांच के बारे जानकारी थी कि ब्यूरो ने इस मामले की आगे जांच-पड़ताल करनी थी।

इसका लाभ उठाते हुये सतपाल ने गवाह राजेंद्र लुथरा की मौजुदगी में 3,00,000 रुपए की रिश्वत के लिए। इस तरह, सीनियर इंटेलिजेंस सहायक सतपाल ने अपने सरकारी पद का दुरुपयोग किया और विजीलैंस ब्यूरो का अधिकारी होने का झूठा दिखावा किया, जो जांच में साबित हो गया है। न्होंने बताया कि दोषी इंटेलिजेंस सहायत के खिलाफ विजीलैंस ब्यूरो के पुलिस थाना, जालंधर में भ्रष्टाचार रोकथाम एक्ट और आइपीसी की धारा 419 के अंतर्गत केस दर्ज किया गया है और आगे जांच जारी है।

पंजाब सरकार द्वारा आश्रित बच्चों के लिए वित्तीय सहायता योजना के साथ आधार नंबर जोड़ने की प्रक्रिया नोटीफाई-अरुणा चौधरी

कहा, सामाजिक सुरक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग आधार कार्ड बनाने की सुविधाएं प्रदान करेगा

■ चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब के सामाजिक सुरक्षा और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अरुणा चौधरी ने आज यहाँ बताया कि रा%य सरकार द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली में और अधिक पारदर्शिता और कुशलता लाने के लिए आश्रित बच्चों के लिए वित्तीय सहायता योजना के लाभार्थियों के आधार नंबर उनके बैंक खातों के साथ जोड़ने की प्रक्रिया नोटीफायी की गई है।

श्रीमती चौधरी ने कहा कि सेवाएं प्रदान करने के लिए पहचान पत्र के तौर पर आधार नंबर का प्रयोग करने से, पहचान के लिए कई दस्तावेज़ों की ज़रूरत नहीं पड़ेगी और यह सरकारी सेवाओं को प्रदान करने की प्रक्रिया को और सरल बनाएगा। इसके साथ ही यह लाभार्थियों को सरल और सहज ढंग से उनके हक लेने के योग्य बनाएगा। कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि जिनके आधार कार्ड अभी नहीं बने या जिस मामले में सम्बन्धित ब्लॉक या तहसील में आधार कार्ड बनाने वाले केंद्र नहीं हैं, तो सामाजिक सुरक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग लाभार्थियों के लिए आधार कार्ड बनवाने की सुविधाएं प्रदान करेगा।''आश्रित बच्चों के लिए वित्तीय सहायता स्कीम के अंतर्गत 21 साल से कम उम्र के बच्चे जिसके माता /पिता दोनों का निधन हो चुका हो या माता-पिता घर से लापता हों या परिवार की देखभाल के लिए शारीरिक/ मानसिक तौर पर असमर्थ हों, को प्रति महीना 750 रुपए मिल रहे हैं। उन्होंने जिक्र किया कि राज्य सरकार द्वारा इस स्कीम के अंतर्गत नवंबर 2020 तक 1,56,169 आश्रित बच्चों को 104.12 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

सीनियर अधिकारियों की तरफ से कोविड-19 टीकाकरण करवाने से माहौल सार्थक बना

अगले कुछ दिनों में टीकाकरण मुहिम में और तेजी आने के आसार

■ चंडीगढ़/ब्यूरो

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के लिए टीके की पहली खुराक लगवाने के लिए 19 फरवरी को आखिरी तारीख निश्चित जाने के साथ ही बड़ी संख्या में कर्मचारी टीका लगवाने के लिए आगे आ रहे हैं।

हाल ही में पंजाब सरकार के द्वारा फैसला लिया गया है कि स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों को टीके की पहली खुराक इस महीने की 19 तारीख तक ही मुहैया करवाई जाऐगी। मुख्य सचिव, पंजाब श्रीमती विनी महाजन ने कहा कि इस मुहिम के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग के कई सीनियर प्रशासकीय और स्वास्थ्य आधिकारी टीकाकरण करवा रहे हैं। पी.जी.आई, चण्डीगढ़ के पूर्व डायरैक्टर और पंजाब सरकार के सलाहकार प्रो. के.के. तलवाड़, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्री हुसन लाल, प्रमुख सचिव मैडीकल शिक्षा और अनुसंधान, श्री डी.के. तिवाड़ी, बाबा फरीद यूनिवर्सिटी आफ हैल्थ सायंसेज़, फरीदकोट के उप कुलपति प्रो. राज बहादुर, एमज़ बठिंडा के कार्यकारी डायरैक्टर प्रो. डी.के. सिंह, डायरैक्टर ई.एस.आई डा. ओम प्रकाश गोजरा, डायरैक्टर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, पंजाब, डा. अरीत कौर, कोविड-19 सम्बन्धी पंजाब के नोडल अधिकारी डा राजेश भास्कर, पूर्व डायरैक्टर स्वास्थ्य सेवाऐं, पंजाब डा. अवनीत कौर, पंजाब स्टेट एडज़ कंट्रोल सोसायटी के अतिरिक्त प्रोजैक्ट डायरैक्टर डा. मनप्रीत छतवाल, यूनाइटेड हैल्थ डिवैपमैंट प्रोग्राम के सलाहकार डा. मनीषा, उन स्वास्थ्य पेशेवरों में से हैं जिनको पहले ही टीका लगाया जा चुका है। इसके साथ ही 13 डिप्टी कमिशनरों, 19 सीनियर सुपरडैंट आफ पुलिस, 19 सिवल सर्जनों और सम्बन्धित जिला प्रशासन के कई अन्य प्रमुख सीनियर अधिकारियों को भी टीका लगाया गया है। रा%य में अब तक 71,121 हैल्थ केयर वर्कर और 17,350 फ्रंट लाईन वर्कर टीका लगवा चुके हैं। श्रीमती विनी महाजन ने कहा कि कि बड़ी संख्या में सीनियर सिविल और पुलिस अधिकारियों के साथ-साथ स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के टीकाकरण के लिए आगे आने से लोगों के मन के शंकाएं और गलतफहमियां दूर होंगी और टीकाकरण मुहिम को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पंजाब के फ्रंट लाईन वर्कर, जिनके दफ्तर चण्डीगढ़ में स्थित हैं, के आंकड़े जल्द से जल्द भेज दिए जाएंगे जिससे राज्य सरकार की तरफ से तेजी से उनका टीकाकरण किया जा सके।

जालंधर में 33,329 लाभपात्री पोर्टल पर रजिस्टर्ड, 9987 ने लगवाया कोविड टीका

■ जालंधर/रवि

डिप्टी कमिश्नर घनश्याम थोरी ने बुधवार को कहा कि अलग -अलग विभागों के उन सभी आधिकारियों /कर्मचारियों, जिन्होनें सक्रियता के साथ कोरोना वायरस ड्यूटी निभाई है, को चल रहे टीकाकरण अभियान में फ्रंटलाईन वर्करों के तौर पर शामिल किया जायेगा।

मुख्य सचिव विनी महाजन की अध्यक्षता में हुई एक वीडियो -कान्फ्रेंस में भाग लेते हुए डिप्टी कमिश्नर घनश्याम थोरी ने कहा कि कई विभाग और उनके स्टाफ मैंबर, जो कोविड मैनेजमेंट टीम का हिस्सा थे, को फ्रंटलाईन वरकरों के तौर पर कोविड टीका लगाया जायेगा।

भारतीय टीम के 71 साल के पूर्व विकेटकीपर यहां 'विंडेक्स इंडिया' के दूत के तौर पर 'साउंड सेंटर फॉर हियरिंग केयर' के लिए पहुंचे थे।

स्पोर्ट्स प्लैनट

पंत बल्लेबाजी में प्रतिभा का खजाना लेकिन विकेट-कीपिंग में पालने की बच्चे की तरह-किरमानी

■ पुणे/ब्यूरो

भारत के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर सैयद किरमानी ने ऋषभ पंत को बल्लेबाज के तौर पर 'प्रतिभा का खजाना' करार दिया लेकिन विकेटकीपर के तौर पर इस खिलाड़ी की तुलना 'पालने (झूला)' के बच्चे से की। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम को श्रृंखला जिताने में नायक रहे पंत की बल्लेबाजी की अकसर तारीफ होती है जबकि विकेट के पीछे के उनके प्रदर्शन की आलोचना होती है। किरमानी ने यहां कहा, ''ऋषभ पंत प्रतिभा का एक खजाना है, वह नैसर्गिक तौर पर शॉट खेलने वाला बल्लेबाज है। लेकिन विकेटकीपर के तौर पर उसे बहुत कुछ सीखना है। उसे यह भी सीखना होगा कि कब बड़ा शॉट लगाना है, जैसा कि उसने ऑस्ट्रेलिया में किया था।'' भारतीय टीम के 71 साल के पूर्व विकेटकीपर यहां 'विंडेक्स इंडिया' के दूत के तौर पर 'साउंड सेंटर फॉर हियरिंग केयर' के लिए पहुंचे थे।

पंत को विकेट कीपिंग के कुछ नुस्खे देते हुए, किरमानी ने कहा, ''उन्हें (पंत)विकेट कीपिंग में बुनियादी सही तकनीक की जरूरत है, जो उनके पास नहीं है। एक कीपर की क्षमता का अंदाजा तभी लगाया जाता है जब वह स्टंप्स के निकट खड़ा होता है।'' उन्होंने कहा, '' वह दुनिया के सबसे तेज गेंदबाजों के खिलाफ अच्छा विकेटकीपिंग कर सकता है क्योंकि आपके पास पर्याप्त समय है जहां आप स्विंग और गेंद का उछाल देखकर उस मुताबिक अनुमान लगा सकते है।'' भारत के लिए 1976 से 1986 के बीच 88 टेस्ट और 49 एकदिवसीय खेलने वाले किरमानी ने कहा कि बल्लेबाज के तौर पर पंत को परिस्थितियों के हिसाब से खेलना होगा। उन्होंने उम्मीद जतायी कि वह इसे सीखेंगे क्योंकि अभी काफी युवा है। उन्होंने कहा, ''ब्रिसबेन में उसने काफी संतुलित पारी खेली जिससे हम पहली बार वहां जीत दर्ज कर सके। ऐसे कई मौके थे जब पंत भारत को जीत दिला सकते थे लेकिन उन्होंने अपना विकेट गंवा दिया। किरमानी ने माना कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की शुरुआती पारी में भी पंत ने गलत समय अपना विकेट गंवा दिया। पंत ने इस पारी में 88 गेंद में 91 रन बनाये थे।

इस मैच का इंग्लैंड ने 227 रन से अपने नाम किया। उन्होने कहा, ''यहां भी यही हुआ, जब कोई बल्लेबाज 80 रन के करीब पहुंचता है तो उसकी कोशिश शतक पूरा करने की होती है, इसके लिए आपको जोखिम लेने से बचना होता है। आप यह नहीं कह सकते कि शॉट खेलना आपका नैसर्गिक खेल है, आपको परिस्थितियों के मुताबिक खेलना होता है।'' किरमानी ने हालांकि ऑस्ट्रेलिया में उनकी बल्लेबाजी की तारिफ की। जहां सिडनी में उनकी 97 रन की पारी से भारत मैच ड्रा कराने में सफल रहा और ब्रिसबेन में उनकी नाबाद 89 रन की पारी से मैच और श्रृंखला जीतने में सफल रहा।

उन्होंने कहा, '' मुझे ऑस्ट्रेलिया में उसका खेल पसंद आया, वह संतुलित था। जहां रक्षात्मक खेल की जरूरत थी वहां उसने रक्षात्मक खेला और जहां आक्रामक खेल की जरूरत थी वहां वह खुल कर खेला। उसे हर पारी को ऐसे ही खेलना होगा, जो अनुभव के साथ आयेगा। वह सीख रहा है और अभी युवा है।

भारत के खिलाफ पहला टेस्ट मैच जीतने के बाद बोले जो रूट, हमने नए मानदंड कायम किए

■ चेन्नई/ब्यूरो

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में जीतने के बाद इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने कहा कि उनकी टीम ने नये मानदंड कायम किये हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि श्रीलंका में स्पिनरों की मददगार विकेट पर खेलकर आने से उन्हें तैयारी में मदद मिली। इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में भारत को 227 रन से हराकर चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढत बना ली। रूट ने कहा , '' मुझे अपनी टीम के प्रदर्शन पर गर्व है। हमने नये मानदंड कायम किये हैं। हमें अभी भी कुछ पहलुओं में सुधार करना होगा। हम इससे बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।''

उन्होंने कहा ,'' हमें पता है कि भारतीय टीम बहुत अच्छी है, खासकर इन हालात में। उन्हें अपने क्रिकेट पर गर्व है। उनके पास शानदार खिलाड़ी भी हैं।'' मैच में दोहरा शतक जमाने वाले कप्तान ने कहा कि श्रीलंका में मिली तैयारी से काफी मदद मिली। उन्होंने कहा ,'' इससे काफी फायदा हुआ। वहां हमने स्पिन गेंदबाजों को खूब खेला और श्रृंखला जीतने से आत्मविश्वास भी बढा। उसी तरह की विकेट पर फिर खेलकर लय को बरकरार रखने में मदद मिली हालांकि विकेट वैसी ही नहीं थी लेकिन उपमहाद्वीप में खेलने का अनुभव काम आया।''

रूट ने कहा कि अब इस प्रदर्शन को दोहराने की चुनौती सामने होगी। उन्होंने कहा ,''क्या हम इसे दोहरा सकते हैं या इससे बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं क्या हम टीम के रूप में और बेहतर कर सकते हैं , ये सब चुनौतियां होंगी।'' दूसरे दिन पारी घोषित नहीं करने के उनके फैसले की काफी आलोचना हुई थी , इस पर रूट ने कहा कि वह भारत को जीत का कोई मौका नहीं देना चाहते थे। उन्होंने कहा ,''मैं सुनिश्चित करना चाहता था कि मैच के दो ही संभावित नतीजे हो। अगर हम यह मैच हार जाते तो खराब शुरूआत होती।

विजय हजारे ट्राफी में मुंबई की अगुआई करेंगे अय्यर, पृथ्वी शॉ होंगे उप कप्तान

■ मुंबई/ब्यूरो

भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को बुधवार को 20 फरवरी से शुरू हो रही विजय हजारे ट्राफी में मुंबई टीम का कप्तान बनाया गया जो कंधे की चोट के कारण सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में नहीं खेल पाये थे। मुंबई क्रिकेट संघ ने घरेलू 50 ओवर की चैम्पियनशिप के लिये 22 सदस्यीय टीम की घोषणा की।

भारतीय सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को मुंबई टीम का उप कप्तान बनाया गया। बल्लेबाजी विभाग में टीम में भारतीय हरफनमौला शिवम दुबे, सीमित ओवर के विशेषज्ञ सूर्यकुमार यादव, युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी, सरफराज खान और अखिल हरवादकर के साथ अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज आदित्य तारे भी शामिल हैं।

गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई अनुभवी तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी करेंगे जिसमें तुषार देशपांडे और आकाश पारकर तथा स्पिनर शम्स मुलानी और अर्थव अंकोलेकर मौजूद हैं।

मुंबई ने मंगलवार को भारतीय ऑफ स्पिनर रमेश पोवार को टूर्नामेंट के लिये अपना मुख्य कोच नियुक्त किया। मुंबई को एलीट ग्रुप डी में दिल्ली, महाराष्ट्, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और पुडुचेरी के साथ रखा गया है। मुंबई की टीम जयपुर में अपने सभी मैच खेलेगी।

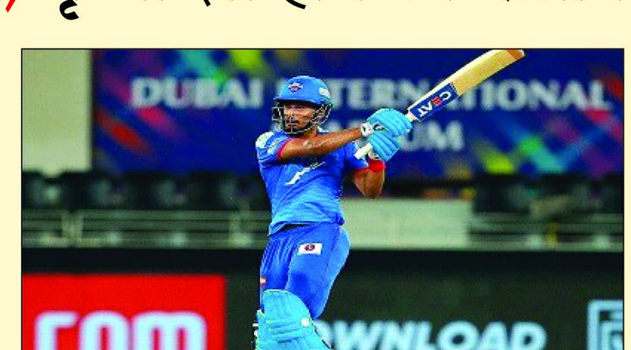

मुंबई क्रिकेट संघ ने घरेलू 50 ओवर की चैम्पियनशिप के लिये 22 सदस्यीय टीम की घोषणा की। भारतीय सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को मुंबई टीम का उप कप्तान बनाया गया।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor: ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.